प्रातः क्लास 3-12-68 ओमशान्ति पिताश्री शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। रूहानी विचित्र बाप बैठ विचित्र बच्चों को समझाते हैं। अर्थात दूर देश के रहने वाला जिसको परमपिता परमात्मा कहा जाता है बहुत2 दूर देश से आकर इस शरीर द्वारा तुमको पढ़ाते हैं। अभी जो पढ़ाते हैं वह पढ़ाने वाले साथ योग तो आटोमेटकली रखते हैं। कहना नहीं पड़ता है तो हे बच्चों टीचर से योग रखो। वा उनको याद करो। नहीं। इनके लिये कहते हैं हे रूहानी बच्चों यह तुम्हारा बाप भी है टीचर गुरु भी है। उनके साथ योग रखो। अर्थात उनको याद करो। वह है विचित्र। तुम घड़ी2 उनको भूल जाते हो। इसलिये कहना पड़ता है पढ़ाने वाले को याद करने से तुम्हारे पाप भस्म हो जावेंगे। यह ला नहीं कहता जो टीचर कहे कि मेरे को देखो। इसमें तो बड़ा फायदा है। बाप कहते हैं सिर्फ मुझे याद करो। इस याद के बल से ही तुम्हारे पाप कटने हैं। इसको कहा जाता है याद की यात्रा। अभी रूहानी विचित्र बाप बच्चों को देखते हैं। अबच्चे भी अपने को आत्मा समझ विचित्र बाप को ही याद करते हैं। तुम घड़ी2 शरीर में आते हो मैं तो सारा कल्प ही शरीर में नहीं आता हूं। इस संगम युग पर ही सिर्फ बहुत दूर देश से आता हूं। तुम बच्चों को पढ़ाने। यह अच्छी रीत याद करना है। बाबा हमारा बाप भी है टीचर भी है और सद्गुरु भी हैं। विचित्र है। उनका अपना शरीर नहीं है। फिर आते कैसे हैं। कहते हैं मुझे प्रकृति का, मुख का आधार लेना पड़ता है। मैं तो विचित्र हूं। तुम सभी चित्र वाले हो। मुझे रथ तो जरूर चाहिए ना। घोड़े गदहे का तो नहीं लेंगे। बाप कहते हैं मैं इस तन में प्रवेश करता हूं जो नम्बरवन है वही फिर नम्बर लास्ट बनते हैं। जो सतोप्रधान थे, वही तमोप्रधान बने हैं। तो उन्हों को ही फिर सतोप्रधान बनाने लिये बाप बैठपढ़ाते हैं। समझाते हैं इस रावण राज्य में 5 विकारों पर जीत पहन जगत जीत तुम बच्चों को बनना है। बच्चों को यह याद रखना है हमको विचित्र बाप पढ़ाते हैं। बाप को याद ही नहीं करेंगे तो पाप भस्म कैसे होंगे। यह बातें भी सिर्फ अभी तुम संगम युग पर सुनते हो। एक बार जो कुछ होता है फिर कल्प बाद वही रिपीट होगा। कितनी अच्छी समझाते हैं। इसमें बहुत विशाल बुद्धि चाहिए। यह कोई साधु सन्त आदि का सतसंग नहीं है। उनको बाप भी कहते हो तो बच्चा भी कहते हो। तुम जानते हो यह हमारा बाप भी है बच्चा भी है। हम सभी कुछ इस बच्चे को वरसा देकर और बाप से, 21 जन्मों के वरसा लेते हैं। किचड़ पद्दी हम सभी कुछ देकर और बाप से हम विश्व की बादशाही लेते हैं। कहते भी हैं हमको 5 बच्चे तो अपने हैं बाकी 6 नम्बर शिव बाबा हमारा बच्चा है। और यह तो बाबा है ना। फिर बच्चा कैसे कहते हो। जादूगर है ना। जो बाबा को अपना सच्चा बनाते हैं। कहते हैं बाबा हमने भक्ति मार्ग में कहा था बाबा आप आवेंगे तो हम आप पर तन मन धन से वारी जावेंगे। तो लौकिक बाप भी बच्चों पर वारी जाते हैं ना। तो यहां तुमको ऐसा विचित्र बाप मिला है उनको याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो और अपने घर चले जावेंगे। कितनी लम्बी मुसीबत है। बाप आते देखो कहां हैं। पराये रावण राज्य में। कहते हैं मेरे तकदीर में पावन शरीर मिलना ही नहीं है। पतितों को पावन बनाने कैसे आवें। हमको ही पतित दुनिया में आकर सभी को पावन बनाना पड़ता है। तो ऐसे टीचर का कदर भी रखना चाहिए ना। बहुत हैं जो कदर जानते ही नहीं। यह भी ड्रामा में होना ही है। राजधानी में सभी चाहिए ना नम्बरवार। तो सभी प्रकार के यहां ही बनने हैं। कम दर्जा पाने वाले को यह ख्याल होगा न पढ़ेंगे न बाप की याद में रहेंगे। यह बहुत ही विचित्र बाप हैं ना। उनकी चलन भी अलौकिक है। और कोई कर न सके। उनका पार्ट और कोई जो मिल न सके। बाप आकर तुमको इतना ऊंच बनाते हैं। तो उनका कदर भी रखना चाहिए ना। उनकी श्रीमत पर चलना चाहिए। परन्तु माया घड़ी2 भूला देती है। माया इतनी जबरदस्त है जो अच्छे2 महारथियों को भी गिरा देती है। बाप कितना धनवान बनाते हैं। परन्तु माया एकदम नाथा मूंह लेती है। माया से बचना है तो जरूर बाप को याद करना पड़े। बहुत अच्छे2 बच्चे हैं जो बाप का बनकर फिर माया के बन जाते हैं। बात मत पूछो। पक्के टेटर बन जाते हैं। माया एकदम नाक से पकड़ लेती है। अक्षर भी है ग्राह ने गज को खाया। परन्तु इसका अर्थ कोई नहीं समझते।

बाप हर बात अच्छी रीत समझाते हैं। कई बच्चे समझते भी हैं परन्तु नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। कोई को तो जरा भी धारणा नहीं होती। बहुत ऊंची पढ़ाई है ना। तो उसकी धारणा कर नहीं सकते। आते भी हैं नहीं। बाप कहेंगे इनके तकदीर में राज-भाग न है। कोई अक है, कोई फूल है। वैराईटी बगीचा है ना। नहीं तो नौकर चाकर कैसे मिलेंगे। ऐसे भी तो चाहिए ना। राजधानी में तुमको नौकर चाकर भी चाहिए ना। सारी राजाई यहां से बननी है। नौकर चाकर चण्डालआदि सभी मिलेंगे। यहराजधानी स्थापन हो रही है। बन्डर है। बाप तुमको इतना ऊंच बनाते हैं तो ऐसे बाप को याद करते तो प्रेम के आंसू बहनी चाहिए। तुम माला के दाना बनते हो ना। कहते हैं बाबा आप कितने विचित्र हो। कैसे आकर हम पतितों को पावन बनाने पढ़ाते हो। भक्ति मार्ग में भल शिव की पूजा आदि करते हैं परन्तु समझते थोड़े ही हैं कि यह पतित पावन है। फिर भी पुकारते रहते हैं। हे पतित पावन आओ। आकर हमको गुल2 देवी देवता बनाओ। बच्चों के परमान को बाप मानते हैं। और फिर कहते हैं बच्चे पवित्र बनो। तो इस पर भी कितना हंगामा होता है। बाप बन्डर फुल है ना। बच्चों को कहते हैं मुझे याद करो। तो पाप कटे। बाप जानते हैं हम आत्माओं से बात करते हैं। सभी कुछ आत्मा ही करती है। विकर्म आत्मा करती है। आत्मा ही शरीर द्वारा भोगती है। तुम्हारी तो सभा बैठेगी। खास अन्दर बच्चों के लिये। सर्विस लायक बनकर भी रिटायर बन जाते हैं। सर्विस करने वाले तो महारथी हुये ना। इसलिये नाम है गज को ग्राह गले से पकड़ खड़ा है। यह तो बाप ही जानते हैं। अभी उनको छुड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। नहीं तो माया पूरा खा जावेगा। कल्प2 ऐसा होता है। माया के चम्बे में आ जाते हैं। बाप को याद करते ही नहीं। बाप का रिगार्ड नहीं रखते। यह तो बाप जानते हैं कैसे माया हप कर लेती है। कई लिखते हैं बाबा हमने हरा लिया। काला मुंह कर लिया। अभी क्षमा करो। अब गिरा और माया का बना। फिर क्षमा कहे की। उनको तो फिर बहुत2 मेहनत करनी पड़े। माया से बहुत हराते हैं। बाप कहते हैं मेरे पास दान देकर जाओ। फिर वापस नहीं लेना। नहीं तो खलास हो जावेगा। हरिश्चन्द्र का मिसाल है ना। दान दे फिर बहुत खबरदार रहना है। फिर ले लिया तो सौगा दण्ड पड़ जावेगा। फिर बहत हल्का पद पा लेंगे। बच्चे जानते हैं यहराजधानी स्थापन हो रही है। और जो धर्म स्थापन करते हैं उन्हों की पहले राजाई नहीं चलती है। राजाई तो तब ही जब 50-60 करोड़ हो। तब लश्कर बने। शुरु में तो आते ही हैं एक दो। फिर वृधि को पाते हैं। तुम जानते हो क्राईस्ट भी कोई वेष में आवेंगे। वेगर रूप में। पहला नम्बरवाला जरूर फिर लास्ट नम्बर में होगा। क्रिश्चन लोग झट कहेंगे बरोबर क्राईस्ट इस समय वेगर रूप में है। समझते हैं पुनर्जन्म तो लेना ही है। तमोप्रधान तो जरूर हरेक को बनना ही है। इस समय सारी दुनिया तमोप्रधान जड़जड़ीभूत है। इस पुरानी दुनिया का विनाश जरूर होना है। क्रिश्चन लोग भी कहेंगे बरोबर क्राईस्ट से 3000 वर्ष पहले है विनश्या। फिर जरूर होगा। अरविन्दो की माई भी कहती है विनाश होना है परन्तु फिर क्या होगा यह बातें समझावे कौन। तुम्हारे में से जब कोई जाये उनको समझावे। बाप कहते हैं अभी वह अवस्था बच्चों की कहां है। घड़ी2 लिखते हैं हम योग में रह नहीं सकते। बच्चों की एक्टिविटी से बाबा समझ जाते हैं। बाप को समाचार देने से भी डरते हैं। बाप तो बच्चों को कितना प्यार करते हैं। प्यार से नमस्ते करते हैं। इतना प्यार तुमको पढ़ाने वाली ब्राह्मणी भी नहीं कर सकती। उनमें तो बड़ा अहंकार रहता है। हेड्स तो प्यार करना जानती ही नहीं। क्योंकि देहअभिमान बहुत है। अच्छे2 बच्चों को माया भूला देती है। बाबा समझ सकते हैं। कहते हैं मैं नालेजफुल है। जानी जाननहार का मतलब यह नहीं कि मैं सभी के अन्दर को जानता हूं। मैं आया हूं पढ़ाने या रीड करने। मैं किसको रीड नहीं करता। यह (ब्रह्मा) भी रीड नहीं करता। इनको तो सभी कुछ भूलना है। रीड फिर क्या करेंगे। तुम यहां आते ही हो पढ़ने। भक्ति मार्ग ही अल्प है। यह भी गिरने की उपाय चाहिए ना। इन बातों से ही तुम गिरते हो। यह ड्रामा का खेल ही ऐसा बना हुआ है। भक्ति मार्ग के शास्त्र पढ़ते नीचे ही गिरते आये हो। तमोप्रधान बनते गये हो। अभी तुमको इस छी छी दुनिया बिल्कुल रहना न है। कलियुग से फिर सतयुग आना है। अभी यह है संगम युग। यह भी बातें धारण करनी है।

3-12-62

बाप ही समझाते हैं। बाकी तो सारी दुनिया की बुद्धि पर गाडरेज का ताला लगा हुआ है। तुम समझते हो यह देवीगुण वाले थे। वही फिर आसुरी गुण वाले बने हैं। बाप समझाते हैं अभी भक्ति मार्ग की बातें सभी भूल जाओ। अभी मैं जो सुनाता हूं वह सुनो। हियर नो ईवील। अभी मुझ एक से ही सुनो। अभी मैं तुमको तारने आया हूं। बाकी यह गुरु लोग सभी डूबोने वाले हैं। कैसे डूबोते हैं यह भी तुम जानते हो। शादी बरबादी कहा जाता है ना। वह हथियार बांधते हैं विषय के लिये। तो गोया वह ब्राह्मण हैं डूबोने वाले। वह हैं आसुरी सम्प्रदाय। तुम हो ईश्वरी सम्प्रदाय। प्रजापिता ब्रह्मा के मुख कमल से तुम पैदा हुये हो ना। इतने सभी एडाप्टेड बच्चे हैं। इनको आदि देव कहा जाता है। महावीर भी कहते हैं। तुम बच्चे महावीर हो ना जो योगबल से माया पर जीत पहनते हो। बाप को कहा जाता है ज्ञान का सागर। ज्ञान सागर बाप तुमको अनमोल ज्ञान रत्नों के थाली भरकर देते हैं। तुमको मालामाल बनाते हैं। जो ज्ञान धारण करते हैं वह ऊंच पद पाते हैं। जो धारणा नहीं करते हैं जरूर कम पद पावेंगे। बाप से तुम वारसा का खजाना पाते हो। अल्लाअवलदीन की कथा है ना। तुम जानते हो वहां हमको कोई अप्राप्त वस्तु नहीं रहता। 2। जन्मों के लिये वरसा बाप देते हैं। बेहद का बाप बेहद का वरसा देते हैं। हद के वरसा मिलते हुये भी बेहद के बाप को जरूर याद करते हैं। हे परम आत्मा रहम करो। कृपा करो। यह किसको पता थोड़ेही है वह क्या देने वाला है। अभी तुम समझते हो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं। चित्रों में भी ब्रह्मा द्वारा स्थापना ... ब्रह्मा सामने बैठे हैं साधारण। स्थापना करेंगे तो जरूर उनको ही बनावेंगे ना। बाप कितना अच्छी रीत समझाते हैं। तुम पूरा समझा नहीं सकते हो। वह जाता है। भक्ति मार्ग में भी शंकर के आगे कहते हैं भर दो झोली। आत्मा बोलती है हम कंगाल हैं। हमारी झोली भरो। हमको ऐसा बनाओ। अभी तुम झोली भरने आये हो। कहते हैं हम तो नर से नारायण बनेंगे। यह पढ़ाई ही नर से नारायण बनने की है। पुरानी दुनिया में आने किसकी दिल होगी। परन्तु नई दुनिया में तो सभी नहीं आवेंगे। कोई 25% पुरानी में आवेंगे। कुछ कसर तो पड़ेगी ना। थोड़ाभी किसको पैसेज देते रहेंगे तो स्वर्ग के मालिक जरूर बनेंगे। अभी नर्क के मालिक सभी हैं ना। राजा रानी प्रजा सभी नर्क के मालिक हैं। वहां थे डबल सिरताज। अभी वह नहीं हैं। आजकल तो धर्म आदि को कोई जानते ही नहीं। देवी देवता धर्म ही खत्म हो गया है। गाया जाता है रीलिजन ईज लाईट। धर्म को न जानने का कारण ताकत न रही है। बाप बैठ समझाते हैं मीठे 2 बच्चे तुम ही पूज्य से पुजारी बनते हो। 84 जन्म लेते हो ना। हम सो ब्राह्मण, फिर हम सो क्षत्री ..... बुद्धि में यह सारा चक्र आता है ना। यह 84 का चक्र हम चक्कर लगाते ही रहते हैं। अभी फिर वापस घर जाना है। पतित कोई जा नहीं सकता। आत्मा ही पतित अथवा पावन बनती है। सोने में खाद पड़ती है ना। जेवर में नहीं पड़ती। यह है ज्ञानअग्नि जिससे सारी खाद निकल तुम एक्का सोना बन जावेंगे। फिर जेवर भी तुमको ऐसा अच्छा मिलेगा। अभी आत्मा पतित है तो पावन के आगे नमन करते हैं। क्षमा करती तो सभी कुछ आत्मा है ना। अभी बाप समझाते हैं बच्चे सिर्फ मामेकं याद करो। तो बेड़ा पार हो जावे। पवित्र बन पवित्र दुनिया में चले जावेंगे। अभी जो जितना पुरुषार्थ करेंगे। सभी को यही परिचय देते रहो। वह है हद का बाप। यह है बेहद का बाप। संगम पर ही बाप आते हैं स्वर्ग का वरसा देने। तो ऐसे बाप को याद करना पड़े ना। टीचर को कब स्टुडेन्ट भूलते हैं क्या। परन्तु यहां माया भूला तो रहेगी। बड़ा खबरदार रहना है, युध का मैदान है ना। बाप कहते हैं अब गटर में मत गिरो। गंदे बन जावेंगे। अभी तो स्वर्ग में चलना है। पवित्र बनकर ही पवित्र नई दुनिया के मालिक बनेंगे। तुमको विश्व की बादशाही देता हूं कम बात है क्या। सिर्फ यह एक अन्तिम जन्म पवित्र बनो। अभी पवित्र न बनेंगे तो नीचे गिर जावेंगे। टेम्पटेशन बहुत हैं। काम पर जीत पाने से तुम जगत के मालिक बनेंगे। तुम साफ कह सकते हो परमपिता परमात्मा ही जगत का गुरु है जो सारे जगत को सदगति देते हैं। अच्छा मीठे 2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडमार्निंग और नमस्ते।

****